AADHAAR

AMAR UJALA (MY CITY), Lucknow, 18.8.2018

Page No. 5, Size:(12.37)cms X (18.10)cms.

...तो फर्जी परीक्षार्थी ही भरते थे बोर्ड के प्राइवेट फॉर्म

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा में होने वाले फर्जीवाड़े पर सरकार की सख्ती के बाद प्राइवेट परीक्षार्थियों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से कमी आई है, जो कई सवाल खड़े करती है। इसका मतलब यह तो नहीं कि ज्यादातर फर्जी परीक्षार्थी ही प्राइवेट फॉर्म भरते थे। जिले में पिछले साल जहां तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों ने प्राइवेट फॉर्म भरे थे, वहीं इस साल इनकी संख्या दस तक भी नहीं पहुंची है। जबकि विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 20 अगस्त है।

प्रदेश के आंकड़े की बात करें तो गत बोर्ड परीक्षा में माध्यमिक शिक्षा परिषद ने 80 हजार से भी ज्यादा फर्जी परीक्षार्थी पकड़े थे। इनमें से अधिकांश व्यक्तिगत परीक्षार्थी थे, जिन्होंने फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर परीक्षा दी थी। जिलें में भी ऐसे सैकड़ों परीक्षार्थी चिह्नित किए गए थे। इन दिनों हाईस्कूल व इंटर बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन फॉर्म भरे जा रहे हैं। इस बार आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है, जिस वजह से फर्जीवाड़ा करने वाले व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के आवेदन करने की संख्या में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। गत बोर्ड परीक्षा में जिले में हाईस्कूल में 1171 और इंटर में 2017 व्यक्तिगत परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था, जिन्हें एडमिट कार्ड भी जारी हो गया था। बिना विलंब शुल्क के बोर्ड फॉर्म के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त थी। अभी तक हाईस्कूल के दो और इंटर के पांच व्यक्तिगत परीक्षार्थियों ने ही आवेदन किए हैं।

आधार से पकड़े जाने का डर

गत बोर्ड परीक्षा में सैकड़ों की संख्या में ऐसे परीक्षार्थी पकड़ में आए थे, जिनकी जन्म तिथि उनके हुलिए से मेल नहीं खा रही थी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने ऐसे परीक्षार्थियों के प्रमाण पत्रों समेत ब्योरा बोर्ड को भेजा था। इसके अलावा ऐसे परीक्षार्थी पकड़ में आए थे जो पढ़ते किसी अन्य स्कूल में थे, लेकिन बोर्ड फॉर्म किसी दूसरे स्कूल से भरा था। इस बार आधार नंबर अनिवार्य होने की वजह से इस तरह का फर्जीवाड़ा करना आसान नहीं है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया इस बार केवल 10 राजकीय कॉलेजों को ही अग्रसारण केंद्र बनाया गया है।